Literacy for a Billion

Movie: Aan
Year: 1953

Song: Aaj Mere Man Mein Sakhi
Lyricist: Shakeel Badayuni

ओ ...
ओ ... आ ...

आ आ आ
आ ...
आज मेरे मन में सखी
बाँसुरी बजाए कोई
आज मेरे मन में
आज मेरे मन में सखी
बाँसुरी बजाए कोई

प्यार भरे गीत सखी
बार बार गाए कोई
बाँसुरी बजाए
बाँसुरी बजाए सखी
गाए सखी री
कोई छैलवा हो
कोई अलबेलवा हो
कोई छैलवा हो

रंग मेरी जवानी का लिए
झूमता घर आया है सावन
ओ ... रंग मेरी जवानी का लिए
झूमता घर आया है सावन
आ हा हा ...
आ ...
ओ सखी हो री सखी
आया है सावन
मेरे नैनों में है साजन

इन उम्दी घटाओं में
हवाओं में सखी
नाचे मेरा मन
हो सखी
नाचे मेरा मन
हो आँगन में सावन
मन भावन हो जी
ओ ...

इन उम्दी घटाओं में
हवाओं में सखी
नाचे मेरा मन
ओ सखी
नाचे मेरा मन

दिल के हिंडोले पे मोहे
झूलना झुलाए कोई
प्यार भरे गीत सखी
बार बार गाए कोई

बाँसुरी बजाए सखी
गाए सखी री
कोई छैलवा हो
कोई अलबेलवा हो
कोई छैलवा हो

कहता है इशारों में कोई
आ मोहे अंबुवा के तले मिल
भला वो कौन है घायल

कहता है इशारों में कोई
आ मोहे अंबुवा के तले मिल
भला वो कौन है घायल

मैं नाम ना लूँ
आज लगे लाज सखी
धड़के मेरा दिल
हो सखी
धड़के मेरा दिल
हो आँगन में सावन
मन भावन हो जी

ओ ...
मैं नाम ना लूँ
आज लगे लाज सखी
धड़के मेरा दिल
ओ सखी
धड़के मेरा दिल

तार पे जीवन की
मधुर रागिनी सुनाए कोई
प्यार भरे गीत सखी
बार बार गाए कोई
बाँसुरी बजाए सखी
गाए सखी री
कोई छैलवा हो
कोई अलबेलवा हो
कोई छैलवा हो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.